यह प्रश्न-पत्र एवं उत्तर पुस्तिका संयुक्त है।

जय गुरु नाना | जय महावीर | जय गुरु राम

श्री साधुमार्गी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड, बीकानेर

जैन संस्कार पाठ्यक्रम परीक्षा-2021

समय : 3 घण्टे
12:30 से 3:30 बजे तक

प्रश्न-उत्तर पत्र भाग - 2

अंक 97+3=100

नाम..... पिता/पति का नाम.....

शहर का नाम..... जन्मतिथि..... मोबाइल..... रोल नं .....

नोटः-सभी प्रश्नों के उत्तर दिये गये निर्देशों के अनुसार, निर्धारित स्थान पर, इसी प्रश्न पत्र में लिखें। उत्तर पुस्तिका जाँचने पर यदि यह पुष्टि होती है कि परीक्षार्थी ने दूसरे का सहयोग लिया है अथवा एकाधिक पुस्तिकाओं के उत्तर समान हैं तो उसे नकल किया हुआ मानकर परिणाम निरस्त कर दिया जावेगा। केन्द्र अधीक्षक उपरोक्त प्रश्नोत्तर पुस्तिका परीक्षा समाप्ति के अगले दिन श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ, समता भवन, आचार्य श्री नानेश मार्ग, नोखा रोड, गंगाशहर, बीकानेर-334401 (राज.) के पते पर भिजवावें।

पेपर 97 अंक एवं 3 अंक सामायिक के हैं। जैसे :- 3 सामायिक करने पर 3 अंक दिए जाएगे और 2 करने पर 2 अंक इसी क्रम में सामायिक न करने पर 3 अंक काटे जाएंगे।

1. समता संस्कार पाठशाला के विद्यार्थी हों तो ¼✓½ सही या ¼✗½ गलत करें। ¼ ½

2. आपने कितनी सामायिक की है 1,2,3 काँलम में लिखें। ¼ ½

सूत्र विभाग

प्रश्न.1 निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (कोई 5) **(10)**

1. स्तुति से जीव को किस फल की प्राप्ति होती है?

.....

.....

.....

2. श्रावकजी का नववाँ व्रत कौनसा है और उस व्रत के कितने अतिचार हैं, उनमें से कोई एक अतिचार लिखिए।

.....

.....

.....

3. आत्मा को संस्कारित और प्रशस्त बनाने के लिए क्या करना आवश्यक है? और आत्माशुद्धि हेतु किसका दूर होना जरूरी है?

.....

.....

4. 24 तीर्थंकर भगवान किसके समान गंभीर, निर्मल और प्रकाशमान हैं?

.....

.....

.....

5. कल्याण और मंगल किसे कहते हैं?

.....

.....

.....

6. सम्यग्ज्ञान और सम्यगतप की परिभाषा लिखिए।

.....

.....

.....

प्रश्न 2. रिक्त स्थान पूर्ण कीतिए। **(20)**

1. जिणं च .....
.....वंदामि।

2. सरणं गई .....
..... बोहयाणं।

3. मंगलं .....
..... वंदामि।

4. लोए .....
.....सव्वेसिं।

5. अतिक्रम .....
..... काया।

6. पाठ .....
..... पढ़ने।

7. आर्त्तध्यान .....
..... योग।

8. इरियावहियाए .....

.....पणग।

9. कम्माणं .....

..... छीएणं।

10. पज्जुवासामि.....

.....तस्स भंते।

प्रश्न 3. निम्न शब्दों के अर्थ बताइयै। (कोई 5) **(5)**

1. अरुअं .....
2. ताणं .....
3. अभिथुआ .....
4. अविराहिओ .....
5. इच्छं .....
6. ताव कायं .....

तत्व विभाग

प्रश्न 4. जोड़ी मिलाइए। **(10)**

1. आहार पर्याप्ती	(A) इन्द्र
2. आत्मा	(B) मनुष्यगति
3. कुंथवा	(C) औदारिक शरीर
4. विनयवान	(D) वायुकाय
5. उदार पुद्गल	(E) वनस्पति (साधारण)
6. उगता हुआ अंकुर	(F) अपकाय
7. उक्कलिया	(G) सयोगी केवली
8. धुँअर	(H) रस भाग
9. जीवस्थान	(I) लाभ
10. अंतराय कर्म	(J) तेइन्द्रिय

प्रश्न.5 निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(15)**

1. 15वें, 8वें, 20वें विहरमानजी के नाम बताइए।

.....

.....

.....

2. 6वें, 10वें, 11वें गणधरजी के नाम बताइए।

.....

.....

.....

3. (अ) .....निग्रंथ .....

(ब) ..... देव

(स) कीजे .....

4. ..... का श्रृंगार निर्जरा

शुभ ध्यान का श्रृंगार .....

.....का श्रृंगार क्षमा

5. महापापी के बोल में से 4th, 9th & 12th बोल लिखिए।

.....

.....

.....

कथा विभाग

प्रश्न.6 किसने किसने कहा– **10**

1. क्या आपको ज्ञान पैदा हुआ जो आपको अँधेरे में सर्प दिख गया?

.....

.....

2. मैं तो समझती थी कि चम्पापुरी के स्वर्ण, मणि हीरे–मोती आदि लूटकर लाओगे।

.....

.....

3. मूर्ख कहीं के ! मैं हिल तो सकता नहीं और तू चलने की बात करता है।

.....

.....

4. पिताजी– हम सबको अनाथ–असह्या छोड़कर चले गयें हैं।

.....

.....

5. यदि तू धर्म से नहीं डिगता व्रतो को नहीं छोड़ता तो मैं अभी सर–सर करता, तेरी काया पर चढ़ जाऊँगा।

.....

.....

काव्य विभाग (12)

प्रश्न.7 1. पाँचवी भावना का नाम लिखिए और किसने भाई?

.....

.....

2. चौदह राजू उत्तंग नभ ..... यह भावना कौनसी है और किसने भाई?

.....

.....

3. सनत्कुमार चक्रवर्ती ने कौनसी भावना भाई? उस भावना की पहली पंक्ति लिखिए।

.....

.....

4. याचे सुरतरू .....

..... दैन।

5. तू कौन कहाँ .....

.....वीरप्रभु।

6. तुम धन से चाहे .....

..... रक्षा करो।

सामान्य विभाग

प्रश्न 8. दोहे पूर्ण किजिए। **(5)**

1. जिह्वा में .....।

..... हिलमिल जाय।

2. जीवों की .....।

..... माया।

प्रश्न 9. सही या गलत बताइए। **(10)**

1. त्याग धर्म का मूल विनय हैं। ( )
2. पदम पुराण में रात्रि भोजन नरक का द्वार बताया है। ( )
3. केश गले में चिपक जाए तो कोढ हो जाता हैं। ( )
4. माया का बोल, हमेशा नहीं करने योग्य में आता हैं। ( )
5. सप्त कुव्यसन को त्यागे बिना आत्मा की पहचान नहीं होती है। ( )
6. आत्मा शुद्धि के अलावा अन्य उद्देश्य की पूर्ति हेतु तप करना बाल तप हैं। ( )
7. मच्छी अण्डे का व्यापार करना मांसाहार है। ( )
8. प्रशस्त राग सहित श्रावक्त्व पालना सराग संयम हैं। ( )
9. निकृति यानी गूढ़ माया करना। ( )
10. सानुक्रोशता यानी मत्सरता का भाव न रखना। ( )